बाल-साहित्य लेखन प्रतियोगिता

2019

हिंदी

चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट (सी बी टी) विश्वविख्यात कार्टूनिस्ट शंकर की प्रखर बुद्धि और एक गहरी सोच का साकार रूप है। सी बी टी ने पिछले छह दशकों में बच्चों के लिए चित्र-पुस्तक, रहस्य-रोमांच, लोककथाएं व ऐतिहासिक उपन्यास, सांस्कृतिक मूल्यों, विज्ञान व तकनीक आदि विभिन्न विषयों पर बेहतरीन पुस्तकें प्रकाशित कर इस क्षेत्र में एक नया प्रतिमान स्थापित किया है।

दिलचस्प शैली, साफ-सुथरी कथावस्तु, जीवंत चित्र और आकर्षक छपाई से युक्त ये पुस्तकें विभिन्न आयु वर्ग के लाखों बच्चों के लिए किसी अमूल्य धरोहर से कम नहीं हैं। सी बी टी की अधिकांश प्रकाशित पुस्तकें, समय-समय पर आयोजित बाल-साहित्य लेखन प्रतियोगिताओं में प्राप्त प्रविष्टियां हैं। इस तरह चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट बाल-साहित्य लेखन और प्रकाशन के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है।

चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट (सी बी टी) की दसवीं हिंदी बाल-साहित्य लेखन प्रतियोगिता 2019 के लिए पांडुलिपियां आमंत्रित हैं।

वर्ग I उपन्यास (12 वर्ष से अधिक के बच्चों के लिए): इस वर्ग में भारतीय संस्कृति व इसी पृष्ठभूमि पर आधारित वास्तविक विषयों पर लड़की/लड़के पर केंद्रित विस्तृत कहानियां शामिल हैं। यह वर्तमान जीवन परिदृश्य से संबंधित या बहुत पहले घटित घटनाओं के चित्रण को दर्शाती कहानियां हो सकती हैं। कथानक में सुस्पष्टता, सहजता और एक सशक्त कथावस्तु होनी चाहिए ताकि उस पर विचार-विमर्श किया जा सके; ऐसी कहानी जो पाठकों को सोचने पर मजबूर कर दे। (25-30,000 शब्द)

वर्ग II बाल मन से जुड़ा अकथा-साहित्य (क) 7-10 वर्ष/(ख) 11-13 वर्ष): इस वर्ग में लेखकों की ऐसी कल्पनाएं शामिल होंगी जो विभिन्न सूचनात्मक विषयों पर केंद्रित हों। द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर जलवायु परिवर्तन तक, लेखक इसमें उल्लेखनीय पुरुष एवं महिला निर्माताओं के बारे में भी लिख सकते हैं जिन्होंने सामाजिक प्रगति के विकास में या उसे जारी रखने में योगदान दिया हो; इसके अलावा भारत की विभिन्न संस्कृतियां, खाद्य पदार्थ, पेड़-पौधे व जीव-जंतु, यहां तक कि नागरिक व सामाजिक शास्त्र व इससे संबंधित शिक्षा के बारे में भी रचनात्मक तरीके से लिखा जा सकता है। इन विषयों पर लिखते हुए यह ध्यान रहे कि उसमें इतनी गुंजाइश हो कि आयु के अनुसार पढ़ने में रोचक और देखने में आकर्षक पुस्तकें बन सकें। उसमें विषय के अनुसार दी गई सामग्री ऐसी हो कि बाल पाठकों को नए संदर्भ और ऐसे जीवन कौशल का परिचय कराए जिससे वे जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें; उनमें महत्वपूर्ण सोच विकसित हो जो आत्म-अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करे ताकि वे अपनी व्यक्तिगत सोच के नए आयाम ढाल सकें; विषय ऐसे हों जो उन्हें शिक्षित करने के साथ उस विषय से जुड़ने में मदद करें, और उन्हें जीवन की जटिलताओं और दुनिया की समझ बनाने में सहायता करें। (क: 5000 शब्द / ख: 10,000 शब्द)

वर्ग III कहानियां (9-12 वर्ष): वास्तविक जीवन के अनुभव; राजा-रानी व राजकुमार-राजकुमारियों की कहानियां; इतिहास में हुए बड़े बदलाव; अपंगता, बीमारी, दुख या किसी को खो देने की पीड़ा का सामना करते लोगों की प्रेरणादायक कहानियां; बड़े होने का सुख व पीड़ा; भाई-बहनों की आपसी प्रतिस्पर्धा और मौज-मस्ती; मनोरंजक किस्से जो आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करें; स्कूली जीवन के मज़ाकिया/हलके-फुलके किस्से अजीब घटनाएं व संयोग; वीरान जंगलों और एकांत पड़े भूभागों की कहानियां; मूल्यपरक कहानियां जो जीवन व सोच के भारतीय तरीकों को दर्शाएं और बच्चों को अपनी संकीर्ण मानसिकता से परे सोचने के लिए प्रेरित करें। (3,000 शब्द)

वर्ग IV जादू-भरी कहानियां (9-12 वर्ष): उन्मुक्त कल्पनाओं से युक्त परियों-अप्सराओं, रहस्यमय पहाड़ों, मायावी जंगलों, जादुई सम्मोहन और वास्तविक जादूगरों की रोचक कहानियां इस वर्ग में शामिल की जाएंगी। एक काल्पनिक दुनिया का हिस्सा बनें और अकल्पनीय को साकार रूप दें। (5,000 शब्द)

वर्ग V रीड-अलाउड/चित्र पुस्तकें (5-8 वर्ष): इस वर्ग में सरल कथानकों वाली वास्तविक या काल्पनिक स्थितियों वाली कहानियां शामिल की जाएंगी; ऐसी गुदगुदाने वाली किताबें जिनके विषय व पात्र रोचक हों। रचनाएं ऐसी हों कि उसके पूरे कथानक को मुख्य रूप से चित्रों के माध्यम से स्पष्ट किया जा सके। अपनी पांडुलिपि के साथ लेखकों को चित्र/रेखाचित्र भेजने की आवश्यकता नहीं है। (500-600 शब्द)

वर्ग VI सामाजिक-भावनात्मक सीख (क: 3-5 वर्ष/ख: 5-8 वर्ष): इस वर्ग में ऐसी कहानियां शामिल हों जो बच्चों को अपनी और दूसरों की भावनाओं को समझने में मदद करें तथा उनमें सामाजिक कौशल को बढ़ावा दें, जैसे कि दोस्ती, समस्या समाधान, दु:ख और क्रोध से निपटना, चुनौतियों पर काबू पा लेना, खतरे में भी हिम्मत रखना, दया और करुणा का भाव रखना, स्वयं पर नियंत्रण रखना आदि। इसके पीछे बच्चों में ऐसे विचार और भाव विकसित करना है जो उनमें सकारात्मकता लाए और उन्हें यह भरोसा दे कि वह अकेला नहीं है बल्कि एक परिवार का हिस्सा है जहां उसे प्यार और समर्थन मिलता है और यह भी कि विशिष्ट या असाधारण लोगों के बीच में भी सहज रहना कैसे बेहतर होता है। (क) 200-300 शब्द/(ख) 500-600 शब्द)

वर्ग VII कॉन्सेप्ट आधारित कहानियां (3-5 वर्ष): अकथा-साहित्य की शैली पर आधारित होने के कारण इस वर्ग की रचनाएं वास्तविकता पर केंद्रित न होकर वैचारिक या तथ्यपरक होनी चाहिएं। इसका उद्देश्य है कि बच्चे शब्दों, स्थितियों तथा चीज़ों के साथ उनके संबंध को समझ सकें और उनका इस्तेमाल उनकी संवेदी व तार्किक निपुणताओं का विकास करने में हो सके। इनमें हँसाने व लय जैसी विशेषताएं निहित हो सकती हैं। हम तुकबंदियों, वर्णाक्षरों, संख्याओं या शब्द पुस्तिकाओं जैसी परंपरागत सामग्री निकालने से बचना चाहते हैं। हम इन तत्वों का प्रयोग करते हुए रचनात्मक साहित्य को विकसित करना चाहते हैं जिससे छोटे बच्चों को अपने परिवेश के बारे में अवगत होने का अवसर मिले और मनोरजंक ढंग से उन्हें सिखाने में सहायता हो। (अधिकतम 250 शब्द)

पुरस्कार

वर्ग I : उपन्यास

12 वर्ष से अधिक • 25-30,000 शब्द

प्रथम पुरस्कार	₹25,000
द्वितीय पुरस्कार	₹20,000

वर्ग II (क) : बाल मन से जुड़ा अकथा साहित्य

7-10 वर्ष • 5,000 शब्द

प्रथम पुरस्कार	₹9,000
द्वितीय पुरस्कार	₹8,000

वर्ग II (ख) : बाल मन से जुड़ा अकथा साहित्य

11–13 वर्ष • 10,000 शब्द

प्रथम पुरस्कार	₹10,000
द्वितीय पुरस्कार	₹9,000

वर्ग III: कहानियां

9–12 वर्ष • 3,000 शब्द

20 पुरस्कार	₹5,500 प्रत्येक

वर्ग IV : जादू-भरी कहानियां

9–12 वर्ष • 5,000 शब्द

प्रथम पुरस्कार	₹9,000
द्वितीय पुरस्कार	₹6,500

वर्ग V : रीड अलाउड/चित्र पुस्तकें

5 से 8 वर्ष • 500–600 शब्द

प्रथम पुरस्कार	₹9,000
द्वितीय पुरस्कार	₹7,500

वर्ग VI (क) : सामाजिक-भावनात्मक सीख

3–5 वर्ष • 200–300 शब्द

प्रथम पुरस्कार	₹7,000
द्वितीय पुरस्कार	₹5,500

वर्ग VI (ख) : सामाजिक-भावनात्मक सीख

5–8 वर्ष • 500–600 शब्द

प्रथम पुरस्कार	₹9,000
द्वितीय पुरस्कार	₹7,500

वर्ग VII : कॉन्सेप्ट आधारित कहानियां

3–5 वर्ष • अधिकतम 250 शब्द

प्रथम पुरस्कार	₹7,000
द्वितीय पुरस्कार	₹5,500

नियमावली

1. प्रतियोगिता में 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति भाग ले सकते हैं।
2. चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक व मनोरंजक पांडुलिपियां आमंत्रित कर रहा है। पाठ्य-पुस्तक रूपी सामग्री नहीं स्वीकार की जाएगी।
3. **प्रत्येक पांडुलिपि पर शब्द संख्या लिखी होनी चाहिए।** निर्धारित शब्द सीमा से अधिक होने पर पांडुलिपि को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

4. **दिए गए तथ्यों (विशेषकर वर्ग II क और ख: रचनात्मक अकथा साहित्य) के बारे में संदर्भ सूची/वेबसाइट का नाम देना अनिवार्य है।**

5. रचनाएं हिंदी भाषा में होनी चाहिए। यह कागज़ के एक तरफ डबल स्पेस में कम-से-कम एक इंच का मार्जिन छोड़ कर टाइप होनी चाहिए। कंप्यूटर प्रिंट-आउट या पांडुलिपि की फोटोस्टेट प्रति सुपाठ्य और स्पष्ट होनी चाहिए। हर रचना की दो प्रतियां भेजनी होंगी। **ई-मेल द्वारा भेजी गई प्रविष्टियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।**

6. प्रतियोगिता पूर्णतया नि:शुल्क है। **प्रतियोगी प्रत्येक वर्ग में अधिकतम तीन प्रविष्टियां भेज सकता है, सिवाय वर्ग III (कहानियां) के, जिसमें पांच प्रविष्टियां तक भेजी जा सकती हैं। प्रत्येक पांडुलिपि को अलग ही माना जाएगा।**

7. पांडुलिपि के ऊपर वर्ग क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। प्रत्येक प्रविष्टि रचनाकार का मौलिक व अप्रकाशित कार्य होना चाहिए। एक घोषणा-पत्र संलग्न होना आवश्यक है कि लेखक प्रतियोगिता के सारे नियम मानने के लिए सहमत है। एक से अधिक प्रविष्टि होने पर घोषणा-पत्र की फोटोस्टेट प्रति का प्रयोग किया जा सकता है।

8. इस घोषणा-पत्र पर लेखक का पूरा नाम व पता स्पष्ट और बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। प्रतियोगी द्वारा इस प्रकार का कोई भी विवरण पांडुलिपि के ऊपर नहीं लिखा जाना चाहिए।

9. सी बी टी द्वारा पूर्व आयोजित प्रतियोगिताओं में भेजी गई रचनाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी।

10. लेखक के समझौता प्रसंविदा हस्ताक्षर होने के संबंध में भारत गणराज्य के कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 14 में निर्धारित सभी अधिकार सी बी टी के लिए निहित होंगे। लेखक द्वारा इसके किसी भी प्रावधान पर आपत्ति करने/असहमति जताने पर पुरस्कार को निरस्त कर लेखक को उसकी पांडुलिपि लौटा दी जाएगी।

11. पुरस्कृत पांडुलिपि सी बी टी द्वारा पुस्तक के रूप में प्रकाशित की जाएगी। इस विषय पर अंतिम निर्णय सी बी टी का होगा। आवश्यकता पड़ने पर लेखक को अपनी पुरस्कृत पांडुलिपि सीडी में उपलब्ध करानी पड़ेगी।

12. पुरस्कार की धनराशि का भुगतान भारतीय मुद्रा में किया जाएगा।

13. अगर कोई पुरस्कृत रचना एकाधिक लेखक/लेखिकाओं द्वारा भेजी गई होगी, तो पुरस्कार की धनराशि उनमें बराबर वितरित कर दी जाएगी।

14. जिस पांडुलिपि को पुरस्कार मिल चुका होगा और उसकी धनराशि पूर्णतया चुकता कर दी गई होगी, उस पर भविष्य में किसी भी मद में कोई भुगतान नहीं किया जाएगा।

15. किसी वर्ग में यदि कोई भी प्रविष्टि उपयुक्त नहीं पाई जाती, तो उसके पुरस्कार को घोषित न करने का अधिकार सी बी टी के पास रहेगा।

16. अपुरस्कृत पांडुलिपि को प्रकाशन योग्य समझे जाने पर लेखक की सहमति से प्रकाशित करने की संभावना होगी, यह सी बी टी के निर्णय पर निर्भर होगा।

17. प्रविष्टियां निम्न पते पर भेजें:

    बाल-साहित्य लेखन प्रतियोगिता
    चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट
    नेहरू हाउस, 4 बहादुरशाह ज़फर मार्ग
    नई दिल्ली-110002

18. प्रविष्टियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि **30 सितंबर, 2019** है।

19. प्रतियोगिता में प्राप्त प्रविष्टियां सी बी टी द्वारा नियुक्त निर्णायक समिति द्वारा जांची जाएंगी। समिति का निर्णय अंतिम होगा। इस संबंध में कोई पत्र-व्यवहार नहीं किया जाएगा।

20. प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा **31 दिसंबर, 2019** को या तदुपरांत, जब भी संभव होगा, की जाएगी।

21. पांडुलिपि के खो जाने या उसे अन्य किसी प्रकार की क्षति पहुंचने के लिए सी बी टी उत्तरदायी नहीं होगा।

22. अपुरस्कृत पांडुलिपियां सी बी टी द्वारा वापिस नहीं भेजी जाएंगी। परिणाम-घोषणा के तीन महीने तक ही उन्हें सुरक्षित रखा जाएगा।

23. कोई भी कानूनी विवाद होने पर उसे दिल्ली न्यायालय क्षेत्र में सुलझाया जाएगा।

घोषणा-पत्र

देखिए नियम-7

(कृपया स्पष्ट और बड़े अक्षरों में भरें)

मैं..... प्रमाणित करता/ करती हूं कि इस घोषणा-पत्र के साथ संलग्न वर्ग.....में लिखित पांडुलिपि .....मेरी निजी, मौलिक और अप्रकाशित रचना है। इसे किसी अन्य प्रतियोगिता में या प्रकाशन हेतु कहीं दाखिल नहीं किया गया है। मैं प्रतियोगिता के समस्त नियमों का पालन करने के लिए सहमत हूं।

दिनांक (हस्ताक्षर)

पता.....

.....

राज्य.....

.....पिन.....

टेलीफोन.....ई-मेल.....

हस्ताक्षर सहित यह घोषणा-पत्र पांडुलिपि के साथ संलग्न होना चाहिए।